Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 24-11-2006

Participants : Singh Ch. Lal

an>

Title : Problems being faced by people living along International Border.

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर) सभापति महोदया, आपकी इजाजत से मैं इंटरनेशनल बार्डर जो हमारे प्रदेश में पड़ता है उसकी बाबत कुछ बातें कहना चाहता हूं। एक एरिया जो पहाड़पुर से बाबा मधून तक जाता है और जो हीरानगर तथा कठुआ जिले में पड़ता है और जो 44 किलोमीटर का एरिया है। इसमें कम से कम 30-35 बड़े-बड़े गांव जीरो-लाइन पर हैं। इन लोगों की करीब 35 हजार कैनाल जमीन जीरो-लाइन पर है। वर्ा 1947 के बाद से कितनी सरकारें आईं, लेकिन इन लोगों की हालत आज भी बहुत बुरी है। बार्डर मैंने टीवी पर बहुत बार देखा है, आप लोगों ने भी देखा होगा। इस बार मैं जीरो-लाइन पर 44 किलोमीटर चलकर एक-एक आदमी से मिला। वहां जो फैंसिंग लगी हुई है जिसमें हमारे किसानों की जो जमीन है वह फैंसिंग के परली तरफ लगा दी गयी है। ...(व्यवधान) पाकिस्तान की तरफ हमारी काफी जमीन है। यह मसला केन्द्र सरकार का है, इसमें स्टेट-गवर्नमेंट का कोई लेना-देना नहीं है। मेरे कहने का मतलब यह है कि जो लोग बिना वर्दी के बार्डर की सुरक्षा करते हैं वे लोग बार्डर पर रहने वाले लोग हैं और बिना तनख्वाह लिये देश की सुरक्षा करते हैं। मैं कहना चाहूंगा कि उनकी तकलीफें किसी ने सुनी नहीं हैं। उनकी जमीनें तो ले ली गयी हैं लेकिन वे फैंसिंग के पार चली गयी हैं और फैंसिंग के बीच एंट्री-गेट लगा दिये गये हैं। उन गेटों का डिस्टेंस 2 किलोमीटर तक है।

सभापति महोदया : इन तकलीफों के लिए क्या चाहिए, आप वह बताएं। एक वाक्य में आप तकलीफें बताएं तो ज्यादा अच्छा है।

चौधरी लाल सिंह यह एक वाक्य की बात नहीं है। यह देश की सुरक्षा और लोगों की जान-मालऔर उनको तबाही से बचाने का सवाल है।[r61]

सभापति महोदया : कैसे किया जाए, यह बताएं?

चौधरी लाल सिंह मैं अपने क्षेत्र का प्रतिनिधि हूं। इसलिए मेरा फर्ज है कि मैं उनकी समस्या को आपके सामने रखूं और आप उन समस्याओं को सरकार के आगे रखें जिससे उनका मसला हल हो सके। आपने ओल्ड फैंसिंग लगाई, ओल्ड नाके लगे, ओल्ड माऊंट बने, ओपी की पोस्टें लगीं, ओल्ड ट्रैक बने। पिछली सरकार के दौरान नयी फैंसिंग लगी लेकिन पिछली फैंसिंग उटाई नहीं गयी। किसान की जमीन ली गयी, ट्रैक लिया गया, नाके बनाए गये, जमीन उसकी ले ली गयी।[r62]

उन्हें पिछली बार का ही पैसा नहीं मिला है। मेरे कहने का मतलब यह है कि उन्होंने क्या कसूर किया है कि उनके साथ ऐसा व्य वहार किया जा रहा है। वे बार्डर के किनारे रहते हैं। एक तो क्रास फायरिंग से मारे जाते हैं, उनके जानवर भी मारे जाते हैं और कभी अपनी जमीन से उठा कर पीछे धकेल दिए जाते हैं। इस बारे में मैं दो-तीन सुझाव देना चाहता हूं कि सरकार उन पर गौर करे। पहला सुझाव है कि फेंसिंग जीरो लाइन पर लगाए। आज किसान की ज्यादातर जमीन फेंसिंग के कारण सीमा पार के इलाके में चली गई है। किसान की जमीन किसके भरोसे छोड़ी गई है। एक तो हमारे किसान की जमीन पाकिस्तान वालों ने ले ली है और वहां पर फसल भी पैदा कर ली है। इसके लिए मेरी राय है कि फेंसिंग जीरो लाइन पर लगाई जाए। ऐसा पहले किया जा सकता था और अब भी किया जा सकता है कि फेंसिंग जीरो लाइन की तरफ लगाई जाए।

बीएसएफ वाले बहुत ज्यादा जगह पर माउंट बना कर अपने जवान खड़े कर देते हैं। क्या उस किसान को कोई मुआ वजा दिया जाता है, जिसकी जमीन पर एक नहीं सात-आठ माउंट बनाए जाते हैं? एक-एक गांव में ऐसे आठ-आठ माउंट बनाए गए हैं। उस किसान को न तो जमीन का मुआवजा मिला और न ही फसल का किसी प्रकार का मुआवजा दिया गया।

सभापति महोदया :आप उनकी मदद करने के लिए सरकार से क्या चाहते हैं? आप कृपया दो लाइन में अपनी बात कहें।

चौधरी लाल सिंह : महोदया, पहली बात तो मैं यह कहना चाहता हूं कि फेंसिंग जीरो लाइन पर लगाई जाए। दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूं कि किसान को अपनी जमीन पर जाने के लिए समय फिक्स किया गया है। क्या किसान समय देख कर खेती करेगा, समय देख कर बुआई करेगा और समय देख कर फसल की देख-रेख करेगा। क्या समय बांध कर भी खेती की जा सकती है? सारी बंदिशें किसान पर लगाई गई हैं।

सभापति महोदया: आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

चौधरी लाल सिंह : आपका बार्डर दिल्ली है, आप सुरक्षित जगह पर हैं। आपको उनकी हालत को समझना चाहिए। मैं उन लोगों की हालत समझ सकता हूं।

सभापति महोदया: मुझे आपकी बात समझ में आ रही है। मंत्री जी भी यहां उपस्थित हैं।

चौधरी लाल सिंह : महोदया, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि वहां फेंसिंग जीरो लाइन पर लगाई जाए और जो नुकसान वहां लोगों का हुआ है, वह भी दिया जाए। बार्डर के लोगों को सेना में भर्ती किया जाए, जिससे कि उन्हें जीविकोपार्जन का साधन मिल सके। उनकी फसल तो तबाह हो गई है, साथ ही उनकी जमीन भी तबाह हो गई है।